गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 029
दि. 29.05.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

30,000 करोड़ रुपये की 7 बड़ी परियोजनाओं की पीएम ने की समीक्षा, बोले- जल्द से जल्द सुलझाएं जल विवाद

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कहा कि पानी से जुड़े विवाद जल्द सुलझाने के लिए मिलकर काम करें और समय पर मंजूरी दें। 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर देरी का लोगों के जीवन पर सीधा असर पड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सोलर पैनल को मिशन मोड में अपनाया जाना चाहिए।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः पानी से जुड़े विवाद जल्द सुलझाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कहा कि मिलकर काम करें और समय पर मंजूरी दें। राज्यों से सहयोग, समय पर मंजूरी और तकनीक की मदद से निगरानी के माध्यम से अंतरराज्यीय जल विवादों का समाधान करने की अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केन-बेतवा परियोजना को एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि योजनाओं को लागू करने में देरी से न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि नागरिकों को जरूरी सुविधाओं और विकास के लाभ भी समय पर नहीं मिल पाते।

सात महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की गई

बुधवार शाम को आयोजित 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर देरी का लोगों के जीवन, क्षेत्रीय विकास और सार्वजनिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। मीटिंग में नौ राज्यों में रेलवे, बिजली और सड़क क्षेत्र की लगभग 30,000 करोड़ रुपये की सात महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, की समीक्षा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए, ताकि वे भी आपसी सहयोग, समय पर मंजूरी, प्रौद्योगिकी-आधारित निगरानी और 'मिशन-मोड' में काम करके राज्यों के बीच जल-संबंधी विवादों को सुलझा सकें।

भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके

बयान में कहा गया है कि राज्यों को ऐसे ही अन्य अवसरों की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जहां नदी जोड़ो, जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और कुशल सिंचाई जैसे कार्यों को एकीकृत तरीके से अपनाया जा सके, ताकि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रगति सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) सक्षम, मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को सुचारू रूप से एकीकृत करके सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा लिंक परियोजना के अलावा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के दूसरे संस्करण की भी समीक्षा की।

सोलर पैनल को मिशन मोड में अपनाया जाना चाहिए

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि बिजली की लागत को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करने तथा घरेलू और सामुदायिक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए छतों पर सोलर पैनल को मिशन मोड में अपनाया जाना चाहिए। सड़क और बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए, इस बात पर जोर दिया गया कि वधावन बंदरगाह को 'बंदरगाह-आधारित, बहु-माध्यम विकास' के एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए परिवहन के हर प्रमुख माध्यम को जोड़ा जाए।

नहर नेटवर्क का नये तरीकों से इस्तेमाल पर हो विचार

इस परियोजना को केवल एक बंदरगाह के रूप में नहीं, बल्कि एक 'राष्ट्रीय प्रवेश द्वार' के रूप में देखा जाना चाहिए, जो तटीय नौवहन, अंतर्देशीय जलमार्गों, समर्पित माल ढुलाई गलियारों, हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी, राजमार्गों और हवाई अड्डों से जुड़ा हो। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि नहर नेटवर्क का नये तरीकों से इस्तेमाल करने के तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए, जिसमें नहरों के किनारे और उनके ऊपर सोलर पैनल

अमेरिकी हमलों से दहला ईरान का 'बंदर अब्बास', समझौते का मसौदा खतरे में, ट्रंप बोले- होर्मुज पर किसी का कंट्रोल नहीं

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को रोकने के लिए मध्यस्थ देशों की कोशिशों को उस समय बड़ा झटका लगा, जब दोनों पक्षों के बीच प्रस्तावित शांति समझौते का मसौदा विवादों में घिर गया। व्हाइट हाउस ने तेहरान की ओर से लीक किए गए शांति प्रस्ताव के दावों को पूरी तरह 'मनगढ़ंत' करार दिया है।

इसके तुरंत बाद अमेरिकी सेना ने जलमार्गों में अमेरिकी जहाजों की सुरक्षा का हवाला देते हुए ईरान के सैन्य ठिकानों पर नए हवाई हमले किए हैं।

वहीं अमेरिका ने ईरान की उस नई एजेंसी पर भी प्रतिबंध लगा दिए हैं जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शिपिंग कंट्रोल और समुद्री गतिविधियों की निगरानी का काम करती है।

ईरानी मीडिया और स्वतंत्र खुफिया सूत्रों के अनुसार, बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) दक्षिणी ईरान के रणनीतिक तटीय शहर बंदर अब्बास के पास एक के बाद एक तीन शक्तिशाली विस्फोटों की आवाज सुनी गई। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह हमला अमेरिकी ड्रोन को मार गिराए जाने के जवाब में किया गया।

अमेरिकी वायुसेना ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरा पैदा करने वाले ईरानी मिसाइल ठिकानों और सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया। इन धमाकों से ठीक पहले ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) के अधिकारी मोहम्मद अकबरजादेह ने बयान दिया था कि दुश्मन की कमजोरी के कारण युद्ध की संभावना कम है। हालांकि, अमेरिकी बमबारी के बाद पूरे बंदर अब्बास इलाके में हाई-अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ट्रंप का बड़ा बयानः यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है

वाशिंगटन में आयोजित अपनी कैबिनेट बैठक के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर पूछे गए सवालों का बेहद आक्रामक जवाब दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे किसी ऐसे अस्थायी समझौते के लिए तैयार होंगे जो ईरान को इस रणनीतिक जलमार्ग पर नियंत्रण का अधिकार देता हो?

इस पर राष्ट्रपति ट्रंप ने सीधे शब्दों में कहा-स्ट्रेट ऑफ होर्मुज किसी एक देश के नियंत्रण में नहीं रहेगा। यह

अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है और यह दुनिया के हर देश के जहाजों के लिए खुला रहेगा। कोई भी इस पर अपना दावा नहीं कर सकता। अगर ईरान हमारे साथ कोई समझौता चाहता है, तो उसे पूरी तरह से 'परफेक्ट' होना होगा। या तो वे हमारी शर्तों पर डील करें, वरना हम इस काम को पूरी तरह से खत्म करना जानते हैं।

अमेरिका ने ईरान की नई शिपिंग एजेंसी 'PGSA' पर लगाया प्रतिबंध

सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान के खिलाफ अपने 'आर्थिक दबाव अभियान' को और तेज कर दिया है। अमेरिका ने ईरान द्वारा हाल ही में गठित की गई एजेंसी 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' को अपनी विशेष रूप से नामित नागरिकों (SDN) की ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है।

क्या करती है यह ईरानी एजेंसी?

ईरान ने इस महीने की शुरूआत में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों को रेगुलेट करने और उनसे प्रति जहाज 20 लाख डॉलर (लगभग ₹16 करोड़) तक का अवैध टोल टैक्स वसूलने के लिए इस एजेंसी का गठन किया था।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा, वैश्विक समुद्री व्यापार से जबरन वसूली करने का ईरान का यह ताजा प्रयास साबित करता है कि अमेरिकी आर्थिक कार्रवाई ने शासन को पैसों के लिए कितना हताश कर दिया है।

दुनिया भर के बाजारों पर संकट

ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की प्रभावी नाकेबंदी के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह हिल चुका है, क्योंकि दुनिया का एक-तिहाई तरल प्राकृतिक गैस और पांचवां हिस्सा कच्चा तेल इसी संकीर्ण जलमार्ग से होकर गुजरता है। आगामी अमेरिकी मिडटर्म (मध्यावधि) चुनावों से ठीक पहले ईंधन की बढ़ती कीमतों ने ट्रंप प्रशासन पर भी राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। यही वजह है कि अमेरिका अब आर्थिक प्रतिबंधों और चौतरफा सैन्य हमलों के जरिए ईरानी नेतृत्व को पूरी तरह अपने आगे झुकाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

पीएम मोदी से मिले मंत्री विजय सिन्हाःकृषि विकास पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में फसल, किसानों की आय बढ़ाने पर होगा मंथन

पटना, बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय सिन्हा ने आज नई दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री आवास पर दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई।

कृषि मंत्री बनने के बाद विजय सिन्हा की प्रधानमंत्री मोदी से यह पहली औपचारिक मुलाकात रही।

मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में इसे बिहार के कृषि क्षेत्र से जुड़े बड़े संकेतों के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि 'विकसित बिहार, विकसित भारत' के संकल्प को कृषि क्षेत्र में साकार करने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से सकारात्मक और प्रेरणादायी चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान कृषि क्षेत्र में युवाओं और महिला उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा

देने तथा किसानों की आय में वृद्धि के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की।

विजय सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विजन और कृषि-क्रांति के प्रति उनका समर्पण देशभर के किसानों और जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में बिहार का कृषि क्षेत्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा और खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकेगा।

दिल्ली में कृषि मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन पर नजर

दिल्ली में शुक्रवार को देश के सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इस सम्मेलन से पहले आज कृषि विभाग के सचिवों की बैठक भी आयोजित होने वाली है जिसमें कृषि उत्पादन, तकनीक, सिंचाई और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी ।बिहार की ओर से कृषि मंत्री विजय सिन्हा भी इस राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एनटीआर गारू की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एनटीआर गारू की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

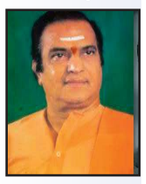

प्रधानमंत्री ने कहा कि एनटीआर गारू को जन कल्याण और सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए स्नेहपूर्वक याद किया जाता है, जिसने गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए गरिमा सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सिनेमा में एनटीआर गारू का योगदान पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करता रहता है और उनका जीवन और आदर्श अपार प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

'महान एनटीआर गारू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।

ईद-उल-अजहा पर पीएम मोदी का मैसेज, मुसलमानों को दी मुबारकबाद

ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार आज (28 मई) को देशभर में मनाया जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ईद-उल-अजहा के मौके पर देशवासियों को बधाई दी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं. प्रार्थना है कि यह त्योहार हमारे समाज में भाईचारे और खुशियों की भावना को और मजबूत करे. सभी की सफलता और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना.' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी बकरीद की बधाई दी. बकरीद को समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतीक बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह पर्व हमें मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देता है.

राष्ट्रपति भवन के ऑफिशियल एक्स हैंडल ने एक पोस्ट में लिखा, 'ईद-उज-अजहा के मौके पर मैं सभी

देशवासियों, खासकर मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं. यह त्योहार समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतीक है. यह पर्व हमें मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देता है.'

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'ईद अल अजहा जिसे आम बोलचाल की जुबान में बकरीद पर्व की दुनिया भर में रहने वाले सभी भारतीय मुस्लिम भाई-बहनों व उनके परिवार वालों को दिली मुबारकबाद तथा उनके साथ-साथ सभी देशवासियों की खुशहाल जिंदगी की शुभकामनाएं.'

उन्होंने आगे लिखा, सभी पर्व व त्योहार आदि पूरी शान्ति, आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ गुजरे तो यह देश व जनहित में हमेशा बेहतर होगा, ताकि देश-प्रदेश के विकास व यहां के लोगों की तरक्की पर पूरी ऊर्जा, शक्ति और संसाधन लग सके.'

हीट वेव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विभागों को किया सतर्क, आमजन से भी बचाव की की अपील

अस्पतालों में बेड-दवा तैयार रखने के निर्देश

बिजली-पानी व्यवस्था पर रहेगी कड़ी निगरानी

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे तापमान और हीट वेव के खतरे को देखते हुए सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग और राहत एजेंसियों को सतर्क रहते हुए प्रभावी इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि कि आमजन को गर्मी से राहत दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को अस्पतालों, पेयजल आपूर्ति और बिजली व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने को कहा है। निर्देश दिए गए हैं कि सरकारी

अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए पर्याप्त बेड, दवाएं, आइस पैक, ओआरएस और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें, ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को तुरंत चिकित्सा सहायता मिल सके।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने राहत और बचाव कार्य पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ संचालित किए जाएं। विशेष रूप से श्रमिकों, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरती जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मजदूरों को लू, थकावट और निर्जलीकरण से बचाने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएं।

उन्होंने इसके साथ ही आमजन से भी सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि लोग दोपहर में तेज धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और हल्के, सूती या खादी के ढीले कपड़े पहनें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह भी दी गई है। इसके साथ ही आग लगने की घटनाओं को लेकर भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। अपील की कि ऐसी किसी भी लापरवाही से बचें, जिससे आग लगने की आशंका पैदा हो सकती है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सीएम पद से सिद्दरमैया ने राज्यपाल ऑफिस जाकर अपना इस्तीफा सौंपा, डीके शिवकुमार होंगे नए मुख्यमंत्री

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। गुरुवार सुबह बेंगलुरु में सीएम आवास पर हुई ब्रेकफास्ट मीटिंग के बद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के इस्तीफे देने का फैसला ले लिया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने अपने आवास पर आयोजित नाश्ते के दौरान अपने कैबिनेट सहयोगियों को अपने इस्तीफे के फैसले की जानकारी दी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा, "मैंने अपना इस्तीफा राज्यपाल कार्यालय को सौंप दिया है। राज्यपाल यहां नहीं हैं, वे आज रात लौट रहे हैं। इसलिए, मैंने इस्तीफा उनके कार्यालय में जमा कर दिया।"

कर्नाटक के राज्यपाल के विशेष सचिव प्रभु शंकर ने कहा, "मुझे सिद्धरमैया का मुख्यमंत्री के तौर पर मिल गया है। लेकिन राज्यपाल के

लौटने के बाद ही वे इसे स्वीकार कर सकते हैं।"

हमारे पास पूर्ण बहुमत है...

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा, "हाई कमान के पहले ही इस्तीफा देने के लिए कहने के बाद, मैंने आज अपना इस्तीफा सौंप दिया है। मुझे पूरा भरोसा है कि जब राज्यपाल आएंगे, तो वे इसे स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि यह संविधान के अनुसार ही किया जाना है... हमारे पास पूर्ण बहुमत है। इसलिए, यह संवैधानिक है कि मुख्यमंत्री को (सरकार बनाने की) अनुमति दी जाए... मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का तहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहूंगा, जिन्होंने मुझे यह अवसर प्रदान किया।"

कुछ सूत्रों का संकेत है कि सिद्दरमैया ने इस्तीफा देने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि हो सकता है क्योंकि यह संदेश सीधे पार्टी के शीर्ष नेता, राहुल गांधी की ओर से आया था। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने बार-बार कहा है कि यदि लोकसभा में विपक्ष के नेता उनसे ऐसा करने को कहेंगे, तो वह इस्तीफा दे देंगे।

पार्टी ने मंगलवार को सिद्दरमैया और शिवकुमार को दिल्ली बुलाया, जहां कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी, अकठउ अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, और पार्टी के महासचिवों के.सी. वेणुगोपाल और सुरजेवाला के साथ लगातार बैठकें हुईं।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा साझा की गई एक तस्वीर में, सिद्धारमैया को भावुक शिवकुमार को गले लगाते हुए देखा जा सकता है। एक अन्य तस्वीर में, मुख्यमंत्री पद के दावेदार शिवकुमार को सिद्धारमैया के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेते हुए देखा जा सकता है।

सम्पादकीय

डोनाल्ड ट्रंप के निवास व्हाइट हाउस के पास तीसरी बार गोलीबारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की सुरक्षा जांच चौकी के पास एक व्यक्ति ने गोली बारी कर दी। सुरक्षा कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध हमलावर को ढेर कर दिया। पिछले एक महीने में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आसपास गोलीबारी की यह तीसरी घटना थी। इससे पहले अप्रैल में व्हाइट हाउस संवाददाता संघ रात्रि भोज और मई की शुरूआत में वाशिंगटन मॉन्यूमेंट के पास घटनाएं हुई। कानून प्र्वतन एजेंसी ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में बताया कि 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू में मौजूद हमलावर ने शनिवार शाम छह बजे अपने बैग से हथियार निकाला और गोलीबारी शुरू कर दी। सीक्रेट सर्विस जवानों की जवाबी कार्रवाई में यह घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि हमलावर ने 30 राउंड गोलियां चलाई। शनिवार को हुई घटना के दौरान एक राहगीर को भी गोली लगी है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह संदिग्ध द्वारा शुरू में चलाई गोलियों से घायल हुआ या अधिकारियों द्वारा जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी? ट्रंप घटना के समय व्हाइट हाउस में मौजूद थे। एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि संदिग्ध की पहचान 21 वर्षीय नासिरे बेस्ट के रूप में हुई है। बेस्ट को पहले भी गिरफ्तार किया गया था। वह जब उसने बिना अनुमति के व्हाइट हाउस की एक अन्य जांच चौकी में प्रवेश करने की कोशिश की थी। बेस्ट को जुलाई 2025 में इस सिलसिले में गिरफ्तार भी किया गया था। बेस्ट खुद को भगवान यीशु मसीह का मॉर्डन अवतार मानता था। डोनाल्ड ट्रंप पर तीन बार गोली बारी हो चुकी है। एक बार तो बाल-बाल बचे जब गोली उनके कान के पास से निकली। वुछ आलोचकों का मानना है कि इन हमलों के पीछे सहानुभूति लेने की और अमेरिकी जनता का ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने का नाटक शामिल है। खैर, जो भी हो एक बात तो साफ लगती है कि ट्रंप की जान को खतरा है और उन्हें अपनी सुरक्षा में किसी प्रकार की ढील नहीं देनी चाहिए।

कतर में ईंरान की फ्रीज पड़ी संपत्ति

पाकिस्तान में अमेरिका और ईंरान के बीच वार्ता में तेहरान का प्रीज छह अरब डॉलर की संपत्ति को जारी करना एक अहम मुद्दा है। यह संपत्ति अभी कतर में जमा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक ईंरानी सूत्र ने बताया कि कतर समेत विदेश में प्रीज संपत्तियों को जारी करना, हार्मूज से सुरक्षित आवाजाही तय करने से सीधे तौर पर जुड़ा है। छह अरब डालर की यह राशि सबसे पहले 2018 में रोकी गई थी। वाशिंगटन तथा तेहरान के बीच वैदियों की अदला-बदली के समझौते के तहत इसे 2023 में जारी किया जाना था, पर 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद बिडेन प्रशासन ने संपत्तियों को फिर से प्रीज कर दिया। उधर, अमेरिका ने ईंरान की इस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि इस्लामाबाद वार्ता में जब्त संपत्तियों को छोड़ेगा। अमेरिका ने स्पष्ट कहा कि वह ईंरानी संपत्तियों को वापस नहीं करेगा। इससे पहले ईंरान ने दावा किया था कि अमेरिका इस बात पर सहमत हो गया है कि जब्त संपत्तियों को छोड़ेगा। पिछले वुछ दिनों में एक बार फिर युद्ध विराम और शांति वार्ता की बात हो रही है। देखें, अमेरिका और ईंरान में किन-किन मुद्दों पर समझौता होता है, अगर होता भी है?

वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन पर क्रिस गेल ने दिया निकनेम, सोशल मीडिया पर मचा दिया बवालं

IPL 2026 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में फ्फ्रने शानदार

जीत दर्ज करते हुए क्वालिफायर 2 में अपनी जगह पक्की कर ली और रफ्ल्क को टूनार्मेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

इस मैच में सबसे ज्यादा सुर्खियां 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बटोरीं, जिन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 29 गेंदों में 97 रन बना दिए। उनकी इस विस्फोटक पारी में बड़े-बड़े छक्के और चौके शामिल थे,इस शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव सूर्यवंशी के निकनेम की काफी प्रशंसा हो रही है। आइए जानते हैं कि उन्हें यह निकनेम किसने दिया।

गेल ने की तारीफ, दिया खास टाइटल

एलिमिनेटर मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव सूर्यवंशी ने 14 साल पुराना क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके बाद पूरे क्रिकेट जगत में उनकी जमकर तारीफ होने लगी। इसी बीच सबकी नजर क्रिस गेल पर भी थी। उन्होंने (Twitter) पर पोस्ट करते हुए वैभव को एक प्यारा सा निकनेम दिया "New Six Machine" और साथ ही एक स्टोरी भी शेयर की, जिसमें लिखा था "Universal Baby Boss" और खास बात यह है कि गेल को खुद को यूनिवर्स बॉस कहा जाता है और अब उन्होंने सूर्यवंशी को छोटा बॉस नाम दिया है।

शतक से बस एक कदम दूर रह गए वैभव सूर्यवंशी

वैभव सूर्यवंशी 97 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और अपने शतक के बेहद करीब पहुंच चुके थे। तभी उन्होंने प्रफुल हिंगे की गेंद पर अपर कट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सही तरह से टाइम नहीं हो पाई और थर्ड मैन पर स्मरण रविचंद्रन ने शानदार कैच पकड़ लिया इस तरह वैभव की पारी 97 रन पर ही समाप्त हो गई और वह अपने शतक से चूक गए। अगर यह शॉट छक्के के लिए निकल जाता, तो वैभव सिर्फ 29 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लेते और क्छछ इतिहास का सबसे तेज शतक उनके नाम हो जाता।

सूर्यवंशी के लिए रिकॉर्ड नहीं रखता मायने

क्रिस गेल ने 30 गेंदों ऐतिहासिक शतक IPL 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ बनाया था, जो आज भी क्छछ इतिहास के सबसे तेज शतकों में से एक माना जाता है। हालांकि गेल के रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाने का मलाल सूर्यवंशी को नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम की सफलता अहम है, शतक बाद में बनते रहेंगे।

मार्च 2031 तक 80 करोड़ लोगों को राशन व्यवस्था, मोदी सरकार के इस फैसले के पीछे कौन सा कानून

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः देश में सार्वजनिक खाद्यान्न वितरण प्रणाली के जरिए देश के गरीब लोगों के लिए जो व्यवस्था की गई है, वह कवरेज और सार्वजनिक व्यय में के मामले में दुनिया में सबसे अनूठी है। इसे दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण खाद्य सुरक्षा नेटवर्क माना जाता है। बुधवार को केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी PDS को और अधिक पारदर्शी, डिजिटल और पोर्टेबल बनाने के लिए सार्थक पीडीएस SARTHAK - PDS योजना को मंजूरी दी है।

लेकिन सवाल यह है कि इस योजना की सफल संचालन और इसके दिशानिर्देश भारत के किस कानून के तहत विनियमित होते है? जवाब है... सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी ढऊ्र, मुख्य रूप से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, NFSA 2013 के तहत संचालित होता है। इस कानून ने देश के पात्र नागरिकों को रियायती यानि कम और सस्ते रेट पर खाद्यान्न प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्रदान किया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्थक-पीडीएस योजना को मार्च, 2031 तक की अवधि तक जारी रखने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी दे दी है।

इस योजना का उद्देश्य देश के करीब 80 करोड़ लाभार्थियों तक खाद्यान्न वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना है।

चोरी और भ्रष्टाचार रोकने के लिए सरकार व्यवस्था को टेक्नोलॉजी बेस्ड बनाने जा रही है। इसमें ऑटोमेशन, डिजिटल ट्रैकिंग, ऑनलाइन मॉनिटरिंग, स्मार्ट डिवाइस और ट्रांसपैरेंसी टूल शामिल है।

सरकार का उद्देश्य वन नेशन-वन राशन कार्ड One Nation One Ration Card जैसी व्यवस्थाओं को भी ज्यादा प्रभावी बनाना है, ताकि देशभर में राशन वितरण अधिक सीमलेस और ट्रांसपैरेंसी हो सके और लाभार्थी भारत के किसी भी राज्य में रहें इसका लाभ उठा सकें।

SARTHAK-PDS योजना किस कानून के तहत लागू

योजना जिसे मोदी सरकार ने SARTHAK-PDS का नाम दिया है, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 यानी NFSA के तहत लागू है।

NFSA के तहत सरकार, गांवों में रहने वाली जनसंख्या का लगभग 75 प्रतिशत और शहरों में रहने वाली आबादी का लगभग 50 प्रतिशत हिस्से को सस्ती दरों पर राशन उपलब्ध कराती है। मोटे तौर पर लगाए गए एक अनुमान के तहत फिलहाल देश में लगभग 80 करोड़ लोग इस कानून के तहत योजना का लाभ उठाते हैं।

इस कानून के तहत प्राथमिकता परिवारों को प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज मिलता है। अंत्योदय परिवारों को 35 किलो अनाज प्रति परिवार दिया जाता है। गौरतलब करने वाली बात है कि यह वह केंद्रीय कानून है, जिसने पूरे देश में खाद्यान्न वितरण को कल्याणकारी योजना से आगे बढ़ाकर एक तरह से कानूनी अधिकार का स्वरूप दिया। और, इस कानून की महत्ता इस बात से साबित हो जाती है इसी कानून के तहत भारत में दुनिया का सबसे बड़ा फूड सिक्योरिटी प्रोग्राम सफलता पूर्वक चलाया जा रहा है।

संविधान की एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की सार्थकता

SARTHAK-PDS योजना का उद्देश्य यही सुनिश्चित करना है कि लाभार्थी कहीं भी रहे, उसका खाद्य सुरक्षा का अधिकार बना रहे।

यह योजना संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित जीवन के अधिकार से भी जुड़ती है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी गरिमामय जीवन और भोजन के अधिकार से जोड़कर देखा है।

दरअसल...भारतीय संविधान में राज्य की अवधारणा एक कल्याणकारी और लोकतांत्रिक गणराज्य की दी हुई है। और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम NFSA 2013 , इस पहलू से ... कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है।

लोढ़ा फाउंडेशन द्वारा भारत के एक मात्र निजी वित्त पोषित सैद्धांतिक भौतिकी अनुसंधान संस्थान का शुभारम्भ

लोढ़ा डेवलपर्स के सीईओ एवं एमडी अभिषेक लोढ़ा की एक और अभिनव पहल

मुंबई, 28 मई। देश की प्रमुख सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था "लोढ़ा फाउंडेशन" द्वारा भारत के एक मात्र निजी वित्त पोषित सैद्धांतिक भौतिकी अनुसंधान संस्थान का शुभारम्भ बुधवार, 27 मई, 2026 को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में किया गया।

यह जानकारी देते हुए लोढ़ा डेवलपर्स के उएड एवं प्रबंध निदेशक और लोढ़ा फाउंडेशन के ट्रस्टी अभिषेक लोढ़ा ने बताया कि भारत आने वाले वर्षों में एक वैश्विक लीडर बनने के लिए तैयार है। इसलिए लोढ़ा फाउंडेशन का मानना है कि एक विकासशील राष्ट्र से एक विकसित राष्ट्र बनने की इस यात्रा में हम सार्थक योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन में हम 'उत्कृष्टता के परोपकार' (Philanthropy of Excellence) का अभ्यास करते हैं और इस दिशा में कई कार्यक्रम शुरू किये गये हैं। इसी क्रम में अत्यंत विचार पूर्वक तैयार की गई और विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में अहम योगदान देने वाली सबसे नई पहल 'लोढ़ा थ्योरिटिकल फिजिक्स इंस्टीट्यूट' (LTPI - लोढ़ा सैद्धांतिक भौतिकी संस्थान) है, जिसे 27 मई, 2026 को मुंबई स्थित लोढ़ा वर्ल्ड टॉवर में लॉन्च किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं श्रीमती मंजू लोढ़ा ने लोढ़ा फाउंडेशन की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उपस्थित महानुभावों का हार्दिक स्वागत किया तथा अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार सबसे बड़ी शक्ति हैं और ऐसे संस्थान आने वाले समय में भारत को वैश्विक एवं वैज्ञानिक नेतृत्व प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने बताया कि वुल्फ प्राइज विजेता प्रोफेसर जैनेंद्र जैन के नेतृत्व में LTPI, मौलिक भौतिकी में साहसिक विचारों को प्रोत्साहित करेगा। लोढ़ा थ्योरिटिकल फिजिक्स इंस्टीट्यूट की परिकल्पना भारत में सैद्धांतिक भौतिकी में मौलिक अनुसंधान के लिए एक समर्पित केंद्र के रूप में की गई है। यह संस्थान भारत और दुनिया भर के अग्रणी वैज्ञानिकों के बीच केंद्रित अनुसंधान कार्यक्रमों, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और सार्थक सहयोग के लिए एक शैक्षणिक वातावरण तैयार करके निरंतर और दीर्घकालिक अनुसंधान की आवश्यकता को पूरा करने का प्रयास करेगा। श्री अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि लोढ़ा फाउंडेशन में

लोढ़ा फाउंडेशन द्वारा स्थापित देश के एक मात्र निजी वित्त पोषित सैद्धांतिक भौतिकी अनुसंधान संस्थान के शुभारम्भ समारोह के विभिन्न दृश्य।

हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें उत्कृष्टता के प्रयास करना, सबसे बड़ा प्रभाव पैदा करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। चाहे देश भर से प्रतिभावान विद्यार्थियों की पहचान और उन्हें त्वरित कार्यक्रमों में शामिल करना हो, या शहरी स्थिरता के समाधानों में निवेश करना हो। या फिर 'लोढ़ा मैथमैटिकल साइंसेज इंस्टीट्यूट' और अब 'लोढ़ा थ्योरिटिकल फिजिक्स इंस्टीट्यूट' के माध्यम से नवाचार और अनुसंधान को सहायता व बढ़ावा देना हो, हम भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने के इस महत्वपूर्ण सफर में सार्थक योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मूलभूत विज्ञान में क्रांति के बाद ही परिवर्तनकारी तकनीकी युगों की शुरूआत होती है। इसी विजन पर LTPI की स्थापना की गई है । यह भारत में मौलिक अनुसंधान के लिए एक समर्पित केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ दिमागों को आकर्षित करेगा और बौद्धिक जिज्ञासा की संस्कृति को बढ़ावा देगा । असाधारण फैकल्टी, पोस्ट डॉक्टरल फेलो और दीर्घकालिक आगंतुकों को एक साथ लाकर, यह संस्थान बौद्धिक स्वतंत्रता, स्थिरता, सहयोग की भावना और गहरे प्रश्नों व साहसिक विचारों को तलाशने का साहस प्रदान करेगा, जिससे ऐसी खोज संभव होंगी, जिनका गहरा प्रभाव आने वाले दशकों में दिखाई देगा। लोढ़ा फाउंडेशन के मुख्य मार्गदर्शक आशीष कुमार सिंह ने कहा कि LTPI का उद्देश्य दुनिया भर के सबसे असाधारण बुद्धिमानों को एक साथ लाना और बिना किसी बाधा के भौतिकी के बारे में खुलकर सोचने में समय बिताना है। उन्होंने कहा कि जब असाधारण दिमाग एक साथ आते हैं, तो वे असाधारण परिणाम देते हैं और यह एक ऐसा दॉव है, जो हम भारत के लिए लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि LTPI (Lodha Theoretical Physics Insititute) का नेतृत्व संस्थापक निदेशक प्रो. जैनेंद्र के. जैन करेंगे, जो एक प्रसिद्ध सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी हैं और उन्हें 'ऑलिवर ई. बकली प्राइज' एवं भौतिकी में 'वुल्फ प्राइज' मिल चुका है । उन्होंने 'कंपोजिट फर्मिओन्स' नामक उभरते कणों की खोज की। इसका वर्णन करने वाले उनके सिद्धांत ने correlated quantum matter की समझ को बेहद समृद्ध किया है और आधुनिक सैद्धांतिक भौतिकी को आकार देना जारी रखा है। प्रो. जैन ने कहा कि सैद्धांतिक भौतिकी प्रकृति के प्रति हमारी समझ के केंद्र में है। सैद्धांतिक भौतिकी में प्रगति ने ऐतिहासिक रूप से वैज्ञानिक सोच को आकार दिया है और विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी विकास की नींव रखी है। 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए, भारत को विश्व स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान बुनियादी ढांचे के साथ मजबूत संस्थानों का निर्माण करना अनिवार्य होगा। LTPI इसी दिशा में एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण प्रयास होगा, क्योंकि यह भारत में पूरी तरह से निजी तौर पर वित्त पोषित पहला भौतिकी संस्थान होगा। उन्होंने बताया कि एक बड़ी शुरूआत के साथ, LTPI 'इमर्जेंट फेनोमेना इन क्वांटम हॉल सिस्टम्स' (EPQHS-10) पर 10वीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी कर रहा है । यह तीन दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला दुनिया भर के कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की मेजबानी करेगी, जो रोमांचक हालिया खोजों की घोषणा करेंगे और भौतिकी के क्षेत्र में भविष्य की आशाजनक दिशाओं पर चर्चा करेंगे । संस्थान की प्रतिष्ठा स्थापित करने वाले एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर के रूप में कार्य करते हुए, EPQHS-10 की मेजबानी करना यह दर्शाता है कि छळढक में पहले दिन से ही तैयार किया जा रहा शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र कितना गम्भीर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक और विश्व स्तरीय गुणवत्ता का है। समारोह के दौरान, नोबेल पुरस्कार विजेता और मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर सॉलिड स्टेट रिसर्च के डायरेक्टर एमेरिटस क्लाउस वॉन क्लिट्ज़िंग ने 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च' (TIFR) के सहयोग से आयोजित एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में बताया गया कि कैसे "क्वांटम हॉल इफेक्ट" की खोज अत्यधिक परिस्थितियों में इलेक्ट्रॉनों के व्यवहार पर बुनियादी, जिज्ञासा-संचालित अनुसंधान से उभरी। और कैसे इस अप्रत्याशित खोज ने अंततः माप मानकों की अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली (international system of measurement standards) में क्रांति ला दी इस अवसर पर श्रीमती मंजू लोढ़ा द्वारा एक विशेष काव्यात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की गई, जो इस प्रकार हैः-

'LTPI Launch — विज्ञान का नवदीप'

आज सजा है ज्ञान का मंदिर, आज जली है नई मशाल, जहाँ विज्ञान के पंख लगाकर, सपने छू लेंगे हर आकाश। यह केवल एक मंच नहीं है, यह भविष्य की पहचान है, जहाँ जिज्ञासा बनती शक्ति, और शोधों से बढ़ता मान है। गिरते सेब से प्रेरित होकर, न्यूटन ने ज्ञान जगाया, गति और गुरुत्वाकर्षण का सुंदर नियम समझाया। समय, प्रकाश और ब्रह्मांड का

जिसने नया विज्ञान दिया, अल्बर्ट आइंस्टीन ने सोच को नया आसमान दिया। दूरबीन से नभ को देखा, सत्य की राह अपनाई, गैलीलियो ने नई चेतना जग में लाई। विद्युत की अद्भुत धारा से दुनिया को जिसने सजाया, निकोला टेस्ला ने नवयुग का दीप जलाया। असंख्य प्रयोगों की तपस्या से अंधियारा दूर भगाया, थॉमस एडीसन ने बल्ब का उजियारा लाया। रेडियम की खोज में जिसने जीवन अपना खपा दिया, मैरी क्यूरी ने नारी शक्ति का मान बढ़ा दिया। ब्लैक होल के गहरे रहस्य दुनिया को समझाने वाले, स्टीफन हॉकिंग थे, जिन्होंने हौसलों से जग जीता। भारत माँ भी गर्वित हुई, जब सी वी रमन ने कमाल दिखाया, प्रकाश की किरणों के बदलते रंगों का अद्भुत रहस्य समझाया। ज्ञान और गणित की शक्ति से नया सिद्धांत बनाया,

सत्येन्द्र नाथ बोस ने आइंस्टीन संग इतिहास रचाया। परमाणु शक्ति के क्षेत्र में भारत को जिसने बढ़ाया, होमी जहांगीर भाभा ने विज्ञान का मान बढ़ाया। अंतरिक्ष के सपनों को भी जिसने साकार बनाया, विक्रम साराभाई ने भारत का गौरव बढ़ाया। मिसाइल मैन कहलाकर भी मन से रहे महान, एपीजे अब्दुल कलाम ने युवाओं को दिए ऊँचे अरमान। ये वैज्ञानिक दीप समान हैं, ज्ञान जिनसे जगमगाता है, इनकी मेहनत और खोजों से मानव आगे बढ़ पाता है। विज्ञान हमें यह सिखलाता, हर मुश्किल आसान बने, जिज्ञासा और कर्म के बल पर मानव चाँद समान बने। कभी रसायन की प्रयोगशाला में, तत्वों ने मिलकर रंग भरे, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन ने, जीवन के जल के दीप धरे। कार्बन की छोटी सी रचना ने, हीरे जैसा रूप लिया, विज्ञान ने मिट्टी के कण को, सोने से बढ़कर मूल्य दिया।कभी अम्ल और क्षार मिले तो, संतुलन का संदेश मिला, हर क्रिया ने यह सिखलाया संघर्षों से नव जीवन खिला। आज इसी प्रेरणा की धरती पर, ज्ञान के दीप प्रज्वलित होंगे, प्रो. जैनेंद्र जैन की शोधों से, विज्ञान के नये पथ निर्मित होंगे। 'कॉम्पोज़िट फर्मियॉन' की खोज ने, दुनिया को नई दिशा दिखाई, वुल्फ प्राइज जैसे महान सम्मान ने, भारत की प्रतिभा चमकाई। दूर विदेशी धरती से आए, नोबेल विजेता वैज्ञानिक महान,

प्रो. क्लॉस वॉन क्लिट्ज़िंग ने, बढ़ाया विज्ञान का गौरवमान। 'क्वांटम हॉल इफेक्ट' की खोज ने, भौतिकी को नया विस्तार दिया, सूक्ष्म कणों की अद्भुत दुनिया का, मानव को नया आधार दिया। यहाँ सूत्र केवल अक्षर नहीं, हर सूत्र जीवन गाता है, विज्ञान वही है जो मानव को, अज्ञान से ऊपर उठाता है। लोढ़ा फाउंडेशन की प्रेरणा ने, शिक्षा का नव दीप जलाया है, अभिषेक लोढ़ा के संकल्पों ने, हर युवा को आगे बढ़ाया है। मंगल प्रभात लोढ़ा जैसे, सेवा जिनकी पहचान बनी, समाज और संस्कृति के संग, जनहित की सुंदर शान बनी। आईएएस ऑफिसर आशीष सिंह के प्रयासों ने, कर्तव्य का मान बढ़ाया है, ईमानदारी और सेवा से, प्रशासन को गौरव दिलाया है। जब प्रयोगों में सपने जलते,

तब इतिहास नया बनता है, छोटी-सी जिज्ञासा का दीपक, एक दिन सूरज बनता है। आओ, मिलकर प्रण यह लें, ज्ञान का दीप जलायेंगे, भारत को विज्ञान की शक्ति से, विश्व शिखर तक ले जायेंगे। 'छळढक' केवल लॉन्च नहीं, एक नवयुग का उद्घोष है, जहाँ विज्ञान, संस्कार और शिक्षा का, संगम सबसे विशेष है। इस मंच से न जाने कितने नये वैज्ञानिक जन्म लेंगे..!

सऊदी की जेल से 20 साल बाद लौटे केरल के अब्दुल रहीम तो रो पड़ी मां, 34 करोड़ में माफ हुई मौत की सजा

(जीएनएस)।

केरल के अब्दुल रहीम की कहानी इंसानियत और कभी न टूटने वाली उम्मीद का उदाहरण है. अब्दुल एक दिव्यांग किशोर की मौत के आरोप में 20 साल तक सऊदी अरब की जेल में रहने के बाद वतन लौट आए हैं. उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी जिससे बाहर निकालने के लिए ब्लड मनी के तौर पर 34 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि जुटाई गई थी. आइए जानते हैं सब्र, उम्मीद और उनकी रिहाई के पीछे की पूरी कहानी.

दिसंबर 2006 केरल के अब्दुल रहीम के लिए वो काला दौर था जब उन्हें सऊदी अरब ने जेल की सलाखों

के पीछे भेज दिया था. उन पर अपनी देखरेख में एक किशोर की मौत का संगीन आरोप था जिसके चलते वो 20 सालों तक वहां कैद रहे. अब सालों बाद उनकी वतन वापसी और रिहाई ने पूरी दुनिया में इंसानियत की मिसाल कायम की है. अब्दुल के लिए एक बड़ा क्राउडफंडिंग अभियान चलाया गया था जिसमें दुनिया भर के बड़े दिल वाले लोगों ने रिकॉर्ड 34 करोड़ रुपये की भारी-भरकम ब्लड मनी जुटाई जिसने उनकी रिहाई का रास्ता साफ किया.

केरल के कोझिकोड के पास फेरोक में रहने वाले माचिलाकाथु परिवार के लिए साल 2026 की ईद महज एक त्योहार नहीं, बल्कि राहत और अपनों से दोबारा मिलने का एक ऐतिहासिक दिन बन गई.

'बच्चा पैदा करने की मशीन', ट्विशा केस पर फूटा ममता कुलकर्णी का गुस्सा लेकिन भड़क गए लोग

(जीएनएस)।

भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस संवेदनशील केस में अब 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने भी खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने समाज और माता-पिता दोनों से कई तीखे सवाल पूछे हैं। ममता का कहना है कि बेटियों की शादी केवल दिखावे या जल्दबाजी में नहीं करनी चाहिए, बल्कि उस परिवार की मानसिकता और क्षमता को भी समझना बेहद जरूरी है।

एनडीटीवी से बात करते हुए कहा कि 'माता-पिता को अपनी बेटियों की शादी असक्षम घरों में नहीं करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर क्यों लोग अपनी बेटियों को ऐसे परिवारों में भेज देते हैं, जहां उन्हें सम्मान और बराबरी नहीं मिलती। क्या आपने कभी किसी बड़े घर के लोगों को अपनी बेटी की शादी भिखारी के घर में करते देखा है?' उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है।

ममता कुलकर्णी ने ट्विशा की सास के उस बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था कि ट्विशा को खाना बनाना नहीं आता था। अभिनेत्री ने इस सोच को पुरानी मानसिकता बताते हुए कहा कि शादी का मतलब सिर्फ घर के काम करना नहीं होता। उन्होंने कहा, 'दादी-नानी के समय में भी क्या हर लड़की को शादी से पहले खाना बनाना आता था? अगर नहीं आता था, तो सिखाया जा सकता था। पांच महीने के अंदर उसे प्रेग्नेंट किया फिर गर्भपात करा दिया, बच्चे पैदा करने की मशीन बना दिया।'

'शादी में दोनों को बराबर चलना

चाहिए'

ममता कुलकर्णी ने आगे कहा कि यदि खाना बनाना नहीं आता था, तो उसे सिखाया जा सकता था। उन्होंने जोर देकर कहा, 'शादी में दोनों को बराबर चलना चाहिए। कभी-कभी प्यार में सबकुछ सीख जाती है। किसी भी लड़की पर जुल्म करना व्यापार है।'

'गरीबी कोई अपराध नहीं है', ममता पर फूटा लोगों का गुस्सा

ममता कुलकर्णी के बयान पर इंटरनेट पर तीखी बहस छिड़ गई है। कुछ लोग उनके बयान का समर्थन कर रहे हैं, तो कई यूजर्स इसे गरीब परिवारों का अपमान बता रहे हैं। (पूर्व ट्विटर), इंस्टाग्राम और फेसबुक पर यूजर्स ने अभिनेत्री को जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई लोगों का कहना है कि किसी परिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर उसका अपमान करना गलत है। एक यूजर ने लिखा, 'गरीबी कोई अपराध नहीं है, इंसानियत और संस्कार मायने रखते हैं।' वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, 'ममता कुलकर्णी को शब्दों का चयन सोच-समझकर करना चाहिए था।'

'बेटी की शादी ऐसे परिवार में होनी चाहिए जहां सम्मान'

हालांकि, सोशल मीडिया पर एक वर्ग ऐसा भी है जो अभिनेत्री की बात को सही ठहरा रहा है। समर्थकों का कहना है कि ममता का इशारा आर्थिक स्थिति से ज्यादा मानसिकता और जिम्मेदारी की ओर था। कुछ लोगों ने लिखा कि उन्होंने केवल यह समझाने की कोशिश की कि बेटी की शादी ऐसे परिवार में होनी चाहिए, जहां उसे सम्मान और बराबरी मिले।

ममता कुलकर्णी ने फिल्म 'तिरंगा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया

आपको बता दें कि 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने 1992 में फिल्म 'तिरंगा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। प्रशंसकों ने उनकी फिल्मों को काफी सराहा लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने ग्लैमर की दुनिया से दूरी बना ली। ममता कुलकर्णी ने संन्यास अपना लिया और प्रयागराज महाकुंभ में किन्नर अखाड़े से जुड़ीं। उन्हें 'महामंडलेश्वर' का पद भी दिया गया था, पर कुछ समय बाद उन्हें इस पद से हटा दिया गया।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

मुख्यमंत्री योगी 29 मई को मऊ पहुंचेंगे:ग्रामीण सैनिक अस्पताल का शुभारंभ कर जनसभा को संबोधित करेंगे

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 29 मई को मऊ जनपद पहुंचेंगे। वे ताजेपुर वार्ड में स्थित ग्रामीण सैनिक अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

ग्रामीण सैनिक अस्पताल के निदेशक रिटायर्ड ब्रिगेडियर डॉ. पी.एन. सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके विशेष आग्रह पर अस्पताल के उद्घाटन के लिए मऊ आ रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री अस्पताल परिसर में स्थापित डॉ. सिंह की पत्नी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री लगभग दो घंटे तक कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

डॉ. सिंह के अनुसार, यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां वे सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी जो आमतौर पर बड़े महानगरों के अस्पतालों में मिलती हैं। अस्पताल का मुख्य उद्देश्य आम जनता, गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

अस्पताल की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यहां बेड का शुल्क मात्र ₹1 निर्धारित किया गया है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को भी बेहतर इलाज आसानी से मिल सकेगा। डॉ. सिंह ने इसे जनहित में एक बड़ी सौगात बताया।

मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

लखीमपुर से तीन दिन पहले अपहृत युवती का लखनऊ के होटल में मिला शव, बैग में मिले नये कपड़े

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखीमपुर खीरी की युवती ने नाका होटल मिलन में गुरुवार को फांसी लगाकर जान दे दी। वह रूम नंबर 23 में अकेले रुकी थी युवती। युवती की पहचान लखीमपुर निवासी 22 वर्षीय गुंजन मिश्रा के रूप में हुई है। जिसके अपहरण का केस वहां के खीरी सदर कोतवाली में दर्ज है।

नाका हिंडोला पुलिस ने परिवार के लोगों को शव मिलने की सूचना भेजी। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया है कि युवती घर से एक भी रुपया लेकर नहीं निकली थी। आज जब उसका शव मिला तो उसके बैग में तीन-चार जोड़ी नए कपड़े और मोबाइल फोन मिला है। परिवार के लोग उसके अपहरण की रिपोर्ट कराने के बाद खुद भी तलाश कर रहे थे।

थाना नाका हिंडोला कमिश्नरेट लखनऊ क्षेत्र के होटल के कमरे में युवती के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने बताया कि युवती 25 मई से होटल मिलन के कमरा नंबर-23 में रुकी थी। महेवा गंज जनपद खीरी की गुंजन मिश्रा के 27 मई को काफी समय तक कमरे से बाहर न निकलने पर होटल स्टाफ को संदेह हुआ, जिसके बाद होटल कर्मियों ने शाम सात बजे डायल-112 पर सूचना दी।

नाका हिंडोला पुलिस मौके पर पहुंची और पाया गया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। होटल स्टाफ की उपस्थिति में दरवाजा खुलवाकर कमरे के अंदर प्रवेश किया गया, जहां उक्त युवती दुपट्टे के सहारे पंखे से लटकी हुई मिली। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सूचना पर मृतका के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर नाका हिंडोला के मुताबिक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती एमए संस्कृत की सेकंड ईयर की छात्रा थी।

भाई संदीप सिंह ने बताया कि 25 तारीख को घर में सभी लोग खाना खा रहे थे। तभी गुंजन पानी लेने के लिए नीचे उतरी थी। उसके बाद जब 20 मिनट तक वापस नहीं आई तो देखने गए। इसके बाद जब परिवार के सदस्य नीचे उतरे तो देखा दरवाजा खुला था। उसके बाद परिवार ने तलाशना शुरू किया। भाई ने बताया कि काफी देर ढूंढने के बाद जब गुंजन नहीं मिली तो उसको ढूंढने का प्रयास किया गया। इसके बाद 25 तारीख को ही सदर कोतवाली में अपहरण का मुकदमा दर्ज करवाया था। इसके बाद सीसीटीवी में नजर आया कि बहन घर से अकेली निकली थी। आसपास के रिश्तेदारों से मोहल्ले में पता किया पर कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 27 मई को लखनऊ के नाका थाने से रात करीब नौ बजे फोन आया कि बहन का शव मिला है।

परिवार के लोगों ने बताया कि गुंजन घर से ना कोई पैसा लेकर निकाली थी ना कोई फोन। उसने स्कूटी लेने के लिए 35 हजार रुपये बचाकर रखे थे, जो कि घर में ही हैं। लखनऊ में उसके बैग से तीन-चार जोड़ी नए कपड़े, एक मोबाइल फोन और कुछ रुपये भी मिले हैं।

लखनऊ में बिजली चोरी पकड़ने गए JE पर जानलेवा हमला: पहले लात-घूंसे और बेलचे से पीटा, फिर पालतू कुत्ता छोड़ा

लखनऊ में बिजली चोरी पकड़ने गई छएरअ और विजिलेंस टीम पर आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया. दबंगों ने जूनियर इंजीनियर अशोक कुमार को लात-घूसों और लोहे के बेलचे से पीटा और उन पर अपना पालतू कुत्ता छोड़ दिया. इस बर्बर हमले में जेई लहूलुहान हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

(जीएनएस)।

लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां बिजली चोरी पकड़ने गई विजिलेंस और लेसा की टीम पर जानलेवा हमला कर दिया गया. जानकीपुरम थाना क्षेत्र में चेकिंग करने पहुंचे जूनियर इंजीनियर को दबंगों ने न सिर्फ बेलचे से पीटा, बल्कि उन पर अपना पालतू कुत्ता भी छोड़ दिया. इस खौफनाक हमले में जेई लहूलुहान हो गए हैं. वहीं एक अन्य घटना में भीड़ ने संविदाकर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा.

पूरी घटना जानकीपुरम जोन के नहर रोड इलाके की है. यहां बिजली

चोरी की पुख्ता सूचना मिलने पर जूनियर इंजीनियर (रेड) अशोक कुमार, जेई राधेश्याम यादव और संविदाकर्मी आयुष गौर, शिवम व मनीष के साथ अजय दीक्षित नामक व्यक्ति के परिसर पर छापेमारी करने पहुंचे थे. टीम ने जैसे ही मीटर की जांच शुरू की, आरोपी और उसके साथियों ने टीम को घेर लिया. गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया.

दबंगों ने टीम पर लात-घूसों की बरसात कर दी. इसी बीच एक आरोपी ने जूनियर इंजीनियर अशोक कुमार के सिर पर लोहे के बेलचे (फावड़े) से जोरदार हमला कर दिया. इसके बाद भी जब आरोपियों का मन नहीं भरा, तो उन्होंने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए अपना पालतू कुत्ता बिजली विभाग की टीम पर छोड़ दिया. कुत्ते के काटने और बेलचे के वार से जेई लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े. वारदात के बाद आरोपियों ने कर्मियों के मोबाइल भी छीन लिए.

इस मामले पर जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता बीपी सिंह ने कहा कि बिजली चोरी की सूचना पर टीम जांच के लिए गई थी. आरोपियों ने जानलेवा हमला किया और कुत्ते से कटवाया है. इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है.

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी अलीगंज शशि प्रकाश मिश्र ने बताया कि मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है. मौके के वीडियो फुटेज खंगाले जा रहे हैं. वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है, जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा.

लखनऊ में प्रदर्शित हुई 1794 की दुर्लभ पांडुलिपि, भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का विस्तृत वर्णन

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजकीय अभिलेखागार में बुधवार को वर्ष 1794 की दुर्लभ पांडुलिपि को प्रदर्शित किया गया। इसमें भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का उल्लेख है।

साथ ही उनसे जुड़े लगभग 400 मनोहारी चित्र भी हैं। प्रत्येक पृष्ठ पर दोहा और चौपाई के साथ चित्रों का विस्तृत विवरण भी अंकित है।

ऐसी कई पांडुलिपियों के बारे में करीब 250 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया। इनमें से 100 विद्यार्थियों को पांडुलिपि मित्र के रूप में 15 दिनों के लिए चयन किया जाएगा, जो राष्ट्रीय सर्वेक्षण कार्यक्रम के तहत कार्य करेंगे।

अभिलेखागार में ज्ञानभारतम् मिशन के अंतर्गत आयोजित "पांडुलिपि अभिरुचि कार्यशाला" में भारतीय ज्ञान परंपरा, इतिहास और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण को लेकर प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य अतिथि पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य

सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि ज्ञानभारतम् मिशन के माध्यम से देश लगभग एक करोड़ पांडुलिपियों को एकत्रित और संरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज ऐसा मजबूत मिशन तैयार हो चुका है, जिसके जरिए आम लोग भी अपनी पारिवारिक और निजी पांडुलिपियों को सुरक्षित रख सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय की अनेक चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है और पांडुलिपियां हमारी बौद्धिक विरासत की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर हैं।

यहां वर्ष 1967 की पांडुलिपि में भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित सात सुंदर चित्रों के साथ भगवद्गीता के सभी 700 श्लोक भी दिखाए गए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डा. वंदना सिंह ने ज्ञानभारतम् पोर्टल, मोबाइल एप और पांडुलिपि सर्वेक्षण की जानकारी दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. अशोक शतपथी ने पांडुलिपियों की पहचान और राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के बारे में बताया। सहायक निदेशक (संरक्षण) विजय कुमार श्रीवास्तव ने पांडुलिपि सर्वेक्षण के दौरान सावधानी बरतने के सुझाव दिए। इस अवसर पर 'ज्ञानभारतम् निर्देशिका' और 'कोलोनियल लखनऊ' पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

लखनऊ और फिरोजाबाद में शांतिपूर्ण तरीके से मनाई जा रही बकरीद, मुख्तार अब्बास नकवी ने भी पढ़ी नमाज

(जीएनएस)।

देशभर में बकरीद के मौके पर नमाज अदा की जा रही है। उत्तर प्रदेश में भी ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़ी जा रही है। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

लखनऊ, देशभर में बकरीद के मौके पर नमाज अदा की जा रही है। उत्तर प्रदेश में भी ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़ी जा रही है। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

लखनऊ पश्चिम के डीसीपी कमलेश दीक्षित ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि ईद-उल-अजहा के मौके पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। लोगों का आवागमन निर्बाध रूप से जारी रहे, इसके लिए पार्किंग के विशेष प्रबंध किए गए हैं। पुलिसकर्मियों की सादे कपड़े में ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि क्यूआरटी की टीमें तैनात की गई हैं और पीएसी के भी जवान सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कमेटी के लोगों से भी बात कर ली गई है, जिससे कि उनके वॉलिंटियर्स भी लोगों की मदद करते रहें।

लखनऊ के टीले वाली मस्जिद में नमाज पढ़ने आए एक नमाजी ने आईएएनएस से कहा कि सभी लोगों को मुबारकबाद और शांति का माहौल बनाए रखना चाहिए। आज के दिन सभी मुसलमान कुबार्नी देते हैं।

फिरोजाबाद ग्रामीण के एसपी अनुज चौधरी ने भी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पिछले कई दिनों से पुलिस-प्रशासन शांति और उचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार बैठकें कर रहा था और सभी के साथ तालमेल बिठा रहा था। सभी समुदायों के लोगों ने सहयोग किया और प्रशासन के निदेर्शों का पालन किया। इसकी वजह से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, सड़कें अवरुद्ध नहीं हुईं और शांतिपूर्वक नमाज संपन्न हुई।

ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने आईएएनएस से कहा कि ईद-उल-अजहा की तमाम मुसलमानों और इंसानों को मुबारकबाद। उन्होंने मस्जिदों, इबादतगाहों और इमामबाड़ों में नमाज पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज के दिन कुबार्नी की जाती है, जो कुबार्नी नहीं कर सकता वो हिस्सा लेता है। परिवार, पड़ोसियों और गरीबों के ख्याल रखना ही कुबार्नी की मकसद है।

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने दिल्ली के पंचकुइयां रोड स्थित इमामिया हॉल शिया जामा मस्जिद में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की।

मतांतरण पर यूपी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जालौन से लखनऊ जा रही बस को रोका, धर्म परिवर्तन की आशंका पर 30 ग्रामीणों को उतारा

जालौन। यूपी पुलिस ने मतांतरण पर बड़ी कार्रवाई की है। जालौन में मतांतरण की आशंका पर पुलिस ने प्राइवेट बस से लखनऊ जा रहे 30 ग्रामीणों को रोक लिया। विश्व हिंदू परिषद की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो फरार हैं।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं की ओर से मतांतरण की शिकायत पर प्राइवेट बस से लखनऊ जा रहे 30 ग्रामीणों को बुधवार की रात कुठौंद पुलिस ने छुड़ाया। इन्हें ले जा रहे एक आरोपित सिरसा कलार निवासी विवेक दोहरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो आरोपित फरार हो गए। पुलिस ने तीन के खिलाफ विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

छुड़ाए गए ग्रामीणों में अधिकांश जिले के ही ग्रामीण क्षेत्र के हैं, सभी को पुलिस ने निजी साधन से उनके घर पहुंचा दिया है। तीन महिलाओं के पास ईसाई मत से जुड़ी पुस्तकें भी मिली हैं। फरार आरोपितों की तलाश के लिए दो पुलिस टीमों को लगाया गया है। बस को थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया है। आरोपित के अनुसार इन

लोगों को वह लखनऊ के उतरेटिया में आयोजित होने वाली प्रार्थना सभा में ले जा रहा था।

गरीबों को पैसा का लालच देकर ले जा रहे थे

विहिप के प्रखंड अध्यक्ष पंकज शुक्ला ने कुठौंद पुलिस को बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम ऊद के अलावा सिरसा कलार व आसपास में कुछ लोग नेटवर्क बनाकर गरीबों को पैसों का लालच देकर प्रार्थना सभाओं में ले जाने का काम करते हैं। इसकी भनक जब विहिप के कार्यकताओं को लगी तो वह इसकी निगरानी करने लगे।

रात में बस को रोका

बुधवार को विहिप के प्रखंड अध्यक्ष को सूचना मिली कि एक प्राइवेट बस द्वारा 25 से 30 लोगों को विभिन्न गांवों से लिवाकर लखनऊ प्रार्थना सभा में ले जाया जा रहा है। जहां पर उनका ईसाई मत में मतांतरण कराए जाने की आशंका है। इसके बाद प्रखंड अध्यक्ष ने अपने साथी कार्यकर्ता अनिकेत, हिमांशु दीक्षित, पंकज शुक्ला, विनोद, हिमांशु दीक्षित, विपुल द्विवेदी, विवेक सिंह के साथ कुठौंद में बुधवार रात को बस आने का इंतजार किया। रात करीब नौ बजे जैसे ही बस कुठौंद कस्बे पहुंची तो विहिप कार्यकताओं ने बस को रोका तो चालक मौके से भाग निकला।

थाने में खड़ी कराई गई बस

इसके बाद बस को थाने में खड़ा करा दिया और उसमें सवार महिला व पुरुषों से पुलिस ने पूछताछ की तो सभी ने मतांतरण की बात से इन्कार कर दिया। सीओ शैलेंद्र कुमार वाजपेयी भी मौके पर पहुंचे। आरोपित जिले के ही सिरसा कलार कस्बा निवासी विवेक कुमार दोहरे ने बताया कि इन सभी को लखनऊ के उतरेटिया में आयोजित होने वाली प्रार्थना सभा में ले जा रहा था। बस में सवार तीन महिलाओं के पास इसाई मत की धार्मिक पुस्तकें भी मिलीं।

ग्रामीणों को वापस भेजा गया

सभी ग्रामीणों को दूसरे साधनों से उनके गांव भेज दिया गया। देर रात पुलिस ने विहिप प्रखंड अध्यक्ष पंकज शुक्ला की तहरीर पर सिरसा कलार निवासी विवेक कुमार दोहरे, ग्राम ऊद निवासी मोहित चौधरी व अमित के विरुद्ध लोगों को गुमराह कर विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दो की तलाश

कुठौंद थाना प्रभारी जगदंबा प्रसाद दुबे ने बताया कि तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर फरार दो आरोपितों की तलाश की जा रही है। विहिप कार्यकताओं की ओर से मिली सूचना के आधार पर प्राइवेट बस से 30 ग्रामीणों को छुड़ाया गया है, आरोप है कि यह मतांतरण के लिए ले जाए जा रहे थे, एक आरोपित भी गिरफ्तार किया गया है, उसने बताया कि इन ग्रामीणों को वह लखनऊ के उतरेटिया में आयोजित प्रार्थना सभा में ले जा रहा था। तीन लोगों के खिलाफ मतांतरण कराने की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रसिद्ध उर्दू शायर बशीर बद्र का 91 वर्ष की आयु में निधन

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए
'शोहरत की बुलंदी भी एक पल का तमाशा है,
जिस शाख पे बैठे हो वो टूट भी सकती है।'
– अन्दलीब अख़्तर

(जीएनएस)।

प्रसिद्ध उर्दू शायर, आधुनिक गजल के उस्ताद और पद्मश्री सम्मानित डॉ. बशीर बद्र का आज भोपाल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके जाने से दुनिया भर में लाखों प्रशंसक शोकाकुल हैं, क्योंकि उर्दू शायरी ने अपनी सबसे प्यारी आवाजों में से एक को खो दिया। उनकी शायरी ने मोहब्बत, तन्हाई, इंतजार और ज़िंदगी के गहरे जख़्मों को शब्द दिए। उनके अशआर महज अल्फाज नहीं थे, बल्कि ऐसी भावनाएँ थीं जो पीढ़ियों के दिलों में ज़िंदा रहीं। अब वे खुद एक याद बन गए हैं, लेकिन उनकी अमर गजलें और अविस्मरणीय शेर हमेशा महफि लों, तन्हा दिलों और उर्दू जबान की रूह में गूंजते रहेंगे।

15 फरवरी 1935 को अयोध्या में जन्मे डॉ. बद्र ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से बी.ए., एम.ए. और पीएच.डी. की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में लेक्चरर के रूप में की और बाद में मेरठ कॉलेज में लगभग 17 वर्षों तक उर्दू विभागाध्यक्ष रहे।

उर्दू, फारसी, हिंदी और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ थी और उन्होंने सात से अधिक उर्दू कविता संग्रह तथा एक हिंदी में लिखा। इकाई, इमेज, आमद, आहट, आस और कुल्लियाते बशीर बद्र उनके प्रमुख संग्रह हैं। आलोचना की दुनिया में भी उन्होंने आजादी के बाद उर्दू गजलों का तनकीदी मुताला और बीसवीं सदी में गजल जैसी महत्वपूर्ण कृतियाँ दीं।

उनकी गजलें देवनागरी और गुजराती लिपि में भी प्रकाशित हुईं और अंग्रेजी व फ्रेंच में अनुवादित होकर अंतरराष्ट्रीय पाठकों तक पहुँचीं। उन्हें पद्मश्री सहित कई सम्मान मिले, उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी ने चार बार और बिहार उर्दू अकादमी ने एक बार सम्मानित किया।

उनका संग्रह आस, जिसमें 69 गजलें हैं, आधुनिक उर्दू शायरी का नगीना माना जाता है। कुल्लियाते बशीर बद्र पाकिस्तान में प्रकाशित हुआ और पूरे दक्षिण एशिया में सराहा गया। उनका मशहूर शेर आज भी लोगों की जुबान पर है:

मीर तकी मीर की तरह उनकी शायरी में सादगी और भावनात्मक गहराई थी। मोहब्बत, तन्हाई, दर्द और ज़िंदगी के रहस्य उनके अशआर में गहराई से बहते थे। जीवन में उन्होंने व्यक्तिगत कठिनाइयों का सामना किया, एक आग ने उनकी सारी संपत्ति और साहित्यिक रचनाएँ नष्ट कर दीं। इसके बाद वे भोपाल आ गए और शून्य से अपना जीवन और साहित्यिक करियर पुनः स्थापित किया। इन अनुभवों ने उनकी शायरी को और भी गहरी भावनात्मक तीव्रता दी और उनकी विनम्रता को आकार दिया।

उन्होंने अमेरिका, दुबई, कतर और पाकिस्तान सहित कई देशों की यात्रा की और मुशायरों में भाग लिया। उनके निधन से उर्दू साहित्य ने अपनी सबसे उज्ज्वल और प्रिय आवाज खो दी है, लेकिन उनकी कालजयी गजलें और अविस्मरणीय शेर आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

डॉ. बशीर बद्र के कुछ सबसे प्रसिद्ध और दिल को छू लेने वाले शेर आज भी लोगों की जुबान पर हैं और उनकी गजलों की पहचान बने हुए हैं। उनकी शायरी मोहब्बत, तन्हाई, दर्द और ज़िंदगी की सच्चाइयों को बेहद सरल और असरदार अंदाज में बयान करती है।

बशीर बद्र के मशहूर शेर

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे,
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों

कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी,
यूँ कोई बेवफा नहीं होता

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है,
जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

मुसाफि र हैं हम भी, मुसाफि र हो तुम भी,
किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी

ज़िंदगी तू ने मुझे कब्र से कम दी है,
जमीं पाँव फैलाऊँ तो दीवार में सर लगता है

बड़े लोगों से मिलने में हमेशा फासला रखना,
जहाँ दरिया समुंदर से मिला दरिया नहीं रहता

कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से,
ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो

हर धड़कते पत्थर को लोग दिल समझते हैं,
उम्रें बीत जाती हैं दिल को दिल बनाने में

खुदा की इतनी बड़ी काएनात में मैंने बस एक शख़्स को माँगा,
मुझे वही न मिला

मोहब्बत, तन्हाई, दर्द और ज़िंदगी की सच्चाइयाँ उनके शेरों में गहराई से झलकती हैं।

'काम पूरा करो वरना बजट कटेगा', सीएम रेखा गुप्ता का अफसरों को अल्टीमेटम, स्कूल से लेकर नालों तक पर सख्त एक्शन

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने को सभी विभागों के प्रमुख अधिकारियों के साथ बड़ी समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बजट में घोषित योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, वरना अगले बजट में फंड में कटौती का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को यह संदेश भी दिया कि सरकार सिर्फ घोषणाएं करने में भरोसा नहीं रखती, बल्कि योजनाओं को जमीन तक पहुंचाना उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

बैठक में सीएम रेखा गुप्ता ने खास तौर पर मानसून तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजधानी में जलभराव रोकना सरकार की प्राथमिकता है और इस मामले में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेखा गुप्ता ने नालों की सफाई का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही धूल प्रदूषण वाले इलाकों में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने को कहा। उन्होंने

अलग-अलग एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों की हालत सुधारने को लेकर भी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में समय पर सफेदी कराई जाए, शौचालयों की मरम्मत पूरी हो और बच्चों को साफ पीने का पानी उपलब्ध कराया जाए। रेखा गुप्ता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सम्मानजनक माहौल देना सरकार की जिम्मेदारी है।

बैठक में ऊर्जा संरक्षण और जल प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सोलर पावर और वॉटर कंजर्वेशन से जुड़े प्रोजेक्ट्स की रफ्तार बढ़ाई जाए ताकि दिल्ली को ऊर्जा और जल संरक्षण के मामले में मॉडल सिटी बनाया जा सके।

रेखा गुप्ता ने विभागों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर भी नई रणनीति अपनाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया सिर्फ औपचारिक जानकारी देने का माध्यम नहीं होना चाहिए, बल्कि जनता तक सरकारी योजनाओं की सही और उपयोगी जानकारी पहुंचाने का असरदार प्लेटफॉर्म भी बनना चाहिए। मुख्यमंत्री का यह सख्त रुख साफ संकेत देता है कि दिल्ली सरकार अब योजनाओं के क्रियान्वयन और जवाबदेही पर ज्यादा जोर देने जा रही है।

अखिलेश सरकार में 13 हजार MW, योगी राज में 29 हजार पार, यूपी में क्या है बिजली सप्लाई की जमीनी हकीकत?

यूपी में बिजली संकट के बीच सियासत भी चरम पर है. समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव जहां इसे बिजली आपदा करार दे रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें उनकी सरकार में बिजली व्यवस्था की याद दिला रहे हैं. बिजली को लेकर चल रहे पावर पॉलिटिक्स के बीच दोनों ही सरकारों में बिजली आपूर्ति और खपत कितनी थी. आइये जानते हैं.

(जीएनएस)।

लखनऊ. यूपी में प्रचंड गर्मी के बीच बिजली कटौती पर सियासत तेज है. समाजवादी पार्टी जहां बीजेपी विधायकों द्वारा ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखने पर तंज कस रही है, वहीं सरकार की तरफ से पलटवार किया जा रहा है. पिछले दिनों जहां ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सपा मुखिया को अपने गिरेबान में झांकने की सलाह दी थी. ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यूपी में रिकॉर्ड बिजली सप्लाई हो रही है. बिजली संकट पर खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोर्चा संभाला और अखिलेश राज की याद दिला दी. मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा काल में बिजली सप्लाई ऐसी थी कि लोग तारों पर कपड़ा सुखाते थे. इसके बाद अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर पलटवार किया. इस सियासी जुबानी जंग के बीच जानते हैं सपा सरकार और योगी राज में बिजली सप्लाई की जमीनी हकीकत क्या है.

अगर 2012 से 2017 के बीच सपा सरकार की बात की जाए तो राज्य में पीक बिजली की डिमांड करीब 12,000 से 13,000 मेगावाट तक होती थी. वहीं वर्तमान योगी सरकार की बात की जाए तो माई 2026 में यह डिमांड बढ़कर 29,330 मेगावाट तक पहुंच गई है. इतना ही नहीं अखिलेश राज में कुछ जिलों को छोड़कर बिजली कटौती भी आम बात थी. गर्मियों में मांग बढ़ने पर अक्सर 25-26% तक का शॉर्टफॉल रहता था.

योगी राज में कई गुना बढ़ी खपत

2017 में योगी सरकार आने के बाद से इंडस्ट्रियल और घरेलू बिजली की खपत में कई गुना बढ़ोत्तरी हुई है. गर्मियों में पीक डिमांड के वक्त रिकॉर्ड 29300 मेगावाट की सप्लाई की गई है. जो कि अखिलेश सरकार से दोगुनी से भी अधिक है. इतना ही नहीं सामान्य दिनों में राज्य में बिजली की औसत खपत 50 से 60 करोड़ यूनिट रहती है. लेकिन गर्मियों में यही 66 करोड़ यूनिट प्रतिदन हो जाती है. दूसरी तरफ योगी सरकार ने रोस्टर के मुताबिक बिजली सप्लाई की व्यवस्था की है. ग्रामीण इलाकों में 18 घंटे और जिला मुख्यालयों पर 24 घंटे बिजली सप्लाई का लक्ष्य है.

दरअसल, यूपी में इन दिनों प्रचंड गर्मी पड़ रही है. जिसकी वजह से डिमांड भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. जिसकी वजह से कई बड़े शहरों, जिसमें लखनऊ, कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और आगरा समेत कई जगह अघोषित बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर में फाल्ट से लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है. गर्मी से बेहाल लोगों का गुस्सा भी सड़कों पर दिखने लगा गई. इसी गुस्से को अखिलेश यादव बिजली आपदा बताकर योगी सरकार पर हमलावर हैं. अखिलेश यादव ने इसके लिए सीधे तौर पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने यह भी कहा कि इस संकट से यह पूरी तरह साबित हो गया है कि अब बीजेपी सरकार में कोई 'करंट' नहीं बचा है.

सीएम योगी ने समीक्षा बैठक में क्या कहा?

बिजली संकट की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने खुद समीक्षा बैठक की. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश में किसी भी कीमत पर निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए. उन्होंने अधिकारीयों को स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर बिजली आपूर्ति में कोई हीलाहवाली हुई तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

खंदौली में मुख्यमंत्री योगी 21 जून को एत्मादपुर आएंगेः केंद्रीय मंत्री एस. पी. सिंह बघेल ने जनसभा स्थल का जायजा लिया

आगरा, केंद्रीय राज्य मंत्री और आगरा सांसद एस. पी. सिंह बघेल ने 21 जून को एत्मादपुर में होने वाली मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा की तैयारियों का जायजा लिया। यह जनसभा मातेश्वरी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर आयोजित की जाएगी।

मंत्री बघेल ने एत्मादपुर स्थित मॉडल स्कूल परिसर में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा और साफ-सफाई सहित विभिन्न इंतजामों का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सुमित कुमार और समाज के कई प्रमुख सदस्य व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी सुमित कुमार ने भी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए विशेष तैयारियां कर रहा है। मंत्री ने एत्मादपुर में अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापित करने के लिए जगह भी चिन्हित की।

इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय समुदाय और कार्यकताओं में उत्साह देखा गया। कार्यकताओं ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर की जयंती को भव्य रूप से मनाने की तैयारी है और जनसभा में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

लखनऊ के स्कूल में होता है मतांतरण, जालौन ले बस से लाए जा रहे थे 30 ग्रामीणों; एक गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। जालौन में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की सूचना पर पुलिस ने बुधवार रात प्राइवेट बस से लखनऊ जाए जा रहे 30 ग्रामीणों को छुड़ा लिया। पुलिस ने इस मामले में जालौन में सिरसा कलार निवासी विवेक कुमार दोहरे को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपित फरार हैं।

तीनों के खिलाफ विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपित ग्रामीणों को लखनऊ के उतरेटिया में आयोजित प्रार्थना सभा में ले जा रहा था।

कुठौंद थाना प्रभारी जगदंबा प्रसाद दुबे ने बताया कि विहिप कार्यकताओं की सूचना पर बुधवार रात करीब नौ बजे कस्बे में एक प्राइवेट बस को रोका गया। बस में 30 महिला और पुरुष सवार थे। पूछताछ के दौरान सभी ग्रामीणों ने मतांतरण की बात से इन्कार किया, लेकिन बस में सवार तीन महिलाओं के पास इसाई मत से जुड़ी धार्मिक पुस्तकें मिलीं।

इसके बाद पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा करा दिया और सभी ग्रामीणों को निजी साधनों से उनके घर भेज दिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित विवेक कुमार दोहरे ने पूछताछ में बताया कि

वह सभी लोगों को लखनऊ के उतरेटिया में होने वाली प्रार्थना सभा में ले जा रहा था। मामले में ग्राम ऊद निवासी मोहित चौधरी और अमित को भी नामजद किया गया है, जो घटना के बाद से फरार हैं। उनकी तलाश के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

विहिप के प्रखंड अध्यक्ष पंकज शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि कुठौंद क्षेत्र के गांव ऊद, सिरसा कलार और आसपास के इलाकों में कुछ लोग गरीब ग्रामीणों को पैसों और अन्य प्रलोभन देकर प्रार्थना सभाओं में ले जाने का काम कर रहे हैं। संगठन को आशंका थी कि इन सभाओं में लोगों का मतांतरण कराया जाता है। सूचना मिलने के बाद विहिप कार्यकताओं ने बस पर नजर रखी और पुलिस को जानकारी दी।

सीओ शैलेंद्र कुमार वाजपेयी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और फरार आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि प्रार्थना सभा के आयोजन और वहां लाए जाने वाले लोगों के बीच क्या संबंध है।

इस मामले में जब दैनिक जागरण टीम ने लखनऊ के उतरेटिया क्षेत्र में पड़ताल की तो सामने आया कि सेंट जॉन वैनी स्कूल के प्रांगण में रविवार को नियमित प्रार्थना सभा आयोजित होती है। आसपास के लोगों के मुताबिक यहां हर सप्ताह बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं।

पास में दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि सभा में पीजीआइ अस्पताल की कुछ नर्सें भी आती हैं और केरल से जुड़े कुछ लोग कार्यक्रम संचालित करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले यहां कम भीड़ होती थी, लेकिन धीरे-धीरे लोगों की संख्या बढ़ती चली गई और अब सैकड़ों लोग पहुंचने लगे हैं। बीच में एक-दो बार विवाद भी हुआ था, लेकिन मामला शांत होने के बाद किसी ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

जून के पहले हफ्ते में खुल जाएगा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे, 3 घंटे नहीं सिर्फ 40 मिनट में पूरा होगा सफर

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश तेजी से देश के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे नेटवर्क वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे के बाद अब लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भी जून के पहले हफ्ते में होने जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से न सिर्फ लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा आसान और तेज होगी, बल्कि प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों, निवेश, उद्योग और रोजगार को भी नई रफ्तार मिलेगी। लगातार बढ़ते एक्सप्रेसवे नेटवर्क के जरिए उत्तर प्रदेश अब हाईस्पीड कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर के नए मॉडल के तौर पर अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश के 38 जिले एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ चुके हैं और आने वाले समय में इसका दायरा और बढ़ने वाला है।

जून के पहले हफ्ते में खुल सकता है एक्सप्रेसवे

सूत्रों के मुताबिक लखनऊ से कानपुर तक बने एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जून के पहले सप्ताह में इसका उद्घाटन कर इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद लखनऊ से कानपुर तक का सफर सिर्फ 40 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। फिलहाल इस दूरी को तय करने में करीब 3 घंटे तक लग जाते हैं।

यह एक्सप्रेसवे न केवल दो बड़े शहरों के बीच आवागमन को आसान बनाएगा, बल्कि व्यापार, परिवहन और दैनिक यात्रियों के लिए भी बड़ी राहत साबित होगा।

उन्नाव बना तीन एक्सप्रेसवे वाला खास जिला

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद उन्नाव प्रदेश के उन चुनिंदा जिलों में शामिल हो जाएगा, जहां से तीन बड़े एक्सप्रेसवे गुजरेंगे। जिले से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे होकर गुजर रहे हैं।

इससे उन्नाव की कनेक्टिविटी और रणनीतिक महत्व दोनों बढ़ जाएंगे। साथ ही आसपास के जिलों को भी तेज यातायात सुविधा का लाभ मिलेगा।

2200 किलोमीटर का एक्सप्रेसवे नेटवर्क

उत्तर प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे एक्सप्रेसवे नेटवर्क ने प्रदेश को देश में अलग पहचान दिलाई है। अब तक राज्य में 2121 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे नेटवर्क तैयार हो चुका है। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद यह आंकड़ा करीब 2200 किलोमीटर तक पहुंच जाएगा।

बताया जा रहा है कि देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा अकेले उत्तर प्रदेश में मौजूद है। यही वजह है कि यूपी अब देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे हब बनता जा रहा है।

38 जिलों को मिला हाईस्पीड कनेक्शन

प्रदेश के 38 जिले अब एक्सप्रेसवे नेटवर्क से सीधे जुड़ चुके हैं। इनमें आगरा, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, मेरठ, प्रयागराज, अयोध्या, गाजीपुर, चित्रकूट, बांदा, जालौन, गौतमबुद्ध नगर और सहारनपुर जैसे प्रमुख जिले शामिल हैं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे ने पश्चिमी यूपी, पूर्वांचल और बुंदेलखंड के बीच दूरी को काफी कम कर दिया है। इससे यात्रा समय में बड़ी कमी आई है और लोगों को तेज व सुरक्षित सफर का विकल्प मिला है।

एक्सप्रेसवे के किनारे बस रहा नया औद्योगिक यूपी

एक्सप्रेसवे सिर्फ सड़क परियोजनाएं नहीं रह गए हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास की नई धुरी बनते जा रहे हैं। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी है और उद्योग लगाने के लिए एक्सप्रेसवे किनारे बड़े पैमाने पर जमीन चिन्हित की गई है।

राज्य सरकार ने उद्योगों के विकास के लिए करीब 5300 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की है। अब तक निवेश के लिए 1110 से ज्यादा प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इससे प्रदेश में रोजगार और व्यापार की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं।

डिफेंस कॉरिडोर से रोजगार को बढ़ावा

झांसी, चित्रकूट, कानपुर, आगरा, अलीगढ़ और लखनऊ को जोड़ने वाले डिफेंस कॉरिडोर को भी एक्सप्रेसवे नेटवर्क से बड़ा फायदा मिल रहा है। डिफेंस कॉरिडोर में अब तक 208 रक्षा उद्योगों के लिए समझौते किए जा चुके हैं।

इन परियोजनाओं के जरिए करीब 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 55 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना जताई जा रही है। सरकार का मानना है कि बेहतर सड़क नेटवर्क से उद्योगों को लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलेगा और उत्पादन लागत भी कम होगी।

यूपी के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे
गंगा एक्सप्रेसवे झ 594 डट
पूर्वांचल एक्सप्रेसवे झ 341 डट
आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे झ 302 डट
बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे झ 296 डट
यमुना एक्सप्रेसवे झ 166 डट

लखनऊ से मायानगरी का सफरः 'चबूतरा थिएटर पाठशाला' से निकलकर बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों में चमक रहे गरीब बच्चे

(जीएनएस)।

लखनऊः नवाबों के शहर लखनऊ में एक ऐसा चबूतरा है जो गरीब बस्तियों के बच्चों के सपनों को पंख लगा रहा है. इस अनूठे चबूतरे से नवाबों की नगरी से मायानगरी मुंबई तक का सफर तय करने के लिए गरीब बच्चों को तैयार किया जा रहा है. यहां के कई प्रतिभावान बच्चे अब तक विभिन्न नाटकों, बॉलीवुड फिल्मों और यहां तक कि हॉलीवुड फिल्मों में भी अपनी दस्तक दे चुके हैं. सबसे खास बात यह है कि बस्तियों के इन बच्चों को स्टार बनने के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ रहा है.

महेश चंद्र देवा की अनूठी पहलः इन बच्चों को पूरी तरह मुफ्त में एक्टिंग की ट्रेनिंग देकर स्टार बनाने का यह भगीरथ प्रयास शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी और फिल्म अभिनेता महेश चंद्र देवा कर रहे हैं. वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उनका खुद का बचपन भी बेहद तंगहाली और गरीबी में बीता था. उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की, लेकिन उनकी जिद हमेशा से थिएटर के जरिए बॉलीवुड में अपनी धमक जमाने की थी. अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने आखिरकार मायानगरी में अपनी एक अलग और मजबूत पहचान बनाकर दिखा दी.

जानकारी देते वरिष्ठ रंगकर्मी और फिल्म अभिनेता महेश चंद्र देवा. (श्रींङ्क उश्रेइः एळश ईश्३)

दिग्गज अभिनेताओं के साथ कामः अभिनेता महेश चंद्र देवा अब तक अजय देवगन, वरुण धवन, पंकज त्रिपाठी, सिद्धार्थ मल्होत्रा और राजकुमार राव जैसे बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुके हैं. इसके अलावा डळळ प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हुई कई लोकप्रिय फिल्मों और वेब सीरीज में भी वे अहम भूमिकाओं में नजर आ चुके हैं. उन्होंने गरीब बस्तियों के बच्चों को मायानगरी तक पहुंचाने के उद्देश्य से ही 'चबूतरा थिएटर पाठशाला' की शुरूआत की

थी. अब तक वे लाखों बच्चों को एक्टिंग की बारीकियां सिखा चुके हैं और यह सिलसिला आज भी बदस्तूर जारी है.

खुले आसमान के नीचे पाठशालाः इन दिनों उनकी यह चबूतरा थियेटर पाठशाला लखनऊ के बक्शी का तालाब अंतर्गत आने वाले कोटवा क्षेत्र में सजी हुई है. यहां पर महेश ग्रामीण और गरीब परिवेश से आने वाले बच्चों को अभिनय के गुर बेहद सरल अंदाज में सिखा रहे हैं. एक्टर महेश चंद्र देवा बताते हैं कि उन्होंने थिएटर की शुरूआत वर्ष 2000 में की थी जब वे लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र थे. उन्हें अभिनय का शौक बचपन से था और कक्षा 6 में किए गए एक नाटक ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा था.

मदर सेवा संस्थान का गठनः यूनिवर्सिटी के दिनों में विभिन्न इंटर-यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल्स में भाग लेने के बाद उन्होंने इसे नियमित तौर पर करने का फैसला किया. उन्होंने महसूस किया कि लखनऊ की कई संस्थाओं से जुड़ने के बावजूद स्थानीय युवाओं को वह बड़ा मंच नहीं मिल पा रहा था जिसके वे हकदार थे. इसी कमी को दूर करने के लिए उन्होंने साल 2004 में अपने साथियों की मदद से 'मदर सेवा संस्थान' का गठन किया. इसके बाद उन्होंने अनाथ, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले और नशा करने वाले भटके हुए बच्चों के बीच काम करना शुरू किया.

10 लाख बच्चों को जोड़ाः बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए उन्होंने खुले आसमान के नीचे और पेड़ की छांव में 'चबूतरा थिएटर पाठशाला' की नींव रखी. यह ऐतिहासिक सिलसिला 11 दिसंबर 2013 से शुरू हुआ और देखते ही देखते कई इलाकों में इसकी शाखाएं फैल गईं. वर्तमान में बक्शी का तालाब और तकरोही समेत दो मुख्य स्थानों पर यह पाठशाला नियमित रूप से संचालित की जा रही है. अपनी संस्था और दूरदराज के गांवों के सफर के माध्यम से उन्होंने अब तक लगभग 10 लाख बच्चों को थिएटर से रूबरू कराया है.

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिली पहचानः इस अनूठी पाठशाला से निकले कई होनहार सितारे आज मुंबई में अपनी कला का जलवा बिखेर रहे हैं. इनमें आदित्य श्रीवास्तव, सोनाली वाल्मीकि, नीलिमा चौधरी, अमन, सैफ, आरिफ, श्लोक वाल्मीकि और शिखा जैसे नाम प्रमुखता से शामिल हैं. शिखा ने जहां चर्चित फिल्म 'आर्टिकल 15' में काम किया है, वहीं आर्यन चौधरी 'अभय सीजन वन' जैसी वेब सीरीज में दिख चुके हैं. नीलिमा ने दो-तीन अंतरराष्ट्रीय फिल्में की हैं और खुशी गौतम अभिनीत फिल्म के पोस्टर जापान फिल्म फेस्टिवल में भी सराहे गए हैं.

शॉर्ट फिल्म्स की चल रही तैयारीः महेश चंद्र देवा इन बच्चों को अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स तक पहुंचाने के लिए एक विशेष फेस्टिवल और शॉर्ट फिल्म्स की तैयारी भी कर रहे हैं. इन बच्चों के माता-पिता अमूमन दिहाड़ी मजदूर हैं जो प्रतिदिन 500-600 रुपये कमाकर बमुश्किल अपने परिवार का भरण-पोषण कर पाते हैं. ऐसे क्षेत्रों में काम करने से पहले संस्था बकायदा सर्वे करती है और बच्चों के अंदर छिपे आत्मविश्वास की कमी को दूर करती है. नाटक बच्चों में न केवल कलात्मकता विकसित करता है, बल्कि उनके भीतर गजब की लीडरशिप क्वालिटी भी पैदा करता है.

संस्कृति विभाग का मिला सहयोगः थिएटर बच्चों को समाज के सामने अपने जरूरी सवाल रखने और उन सवालों का सही समाधान ढूंढने की अद्भुत कला सिखाता है. महेश जी का मानना है कि यद्यपि आज के दौर में लोग मुफ्त के ज्ञान की कद्र नहीं करते, लेकिन कला का अधिकार एक मानवीय मूल्य है.

बिजली संकट के बीच लखनऊ वाले सूरज के सहारे, एक महीने में 9560 घरों में लगे सोलर पैनल

बिजली संकट के बीच लखनऊ वालों ने अब सोलर पैनल की ओर रुख किया है. पिछले एक महीने में लखनऊ में रिकॉर्ड 9560 घरों में सोलर पैनल लगाया गया है. वैसे भी प्रदेश में लखनऊ सोलर पैनल लगवाने के मामले में नंबर एक पर है.

(जीएनएस)।

लखनऊ. भीषण गर्मी और बिजली संकट से राजधानी लखनऊ भी अछूती नहीं है. यही वजह है कि लखनऊ वाले अब वैकल्पिक ऊर्जा की तलाश में हैं.

लखनऊ वाले अब सौरी ऊर्जा की तरफ बढ़ चले हैं. पिछले एक महीने में रिकॉर्ड 9560 घरों में सोलर पैनल लगे हैं. प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, पीएम सूर्य घर योजना के तहत 23 अप्रैल 2026 तक लखनऊ में कुल 91,003 सोलर प्लांट लगाए गए थे. लेकिन 25 मई को यह आंकड़ा 9560 बढ़कर 1,00,563 पहुंच गया. सोलर पैनल वेंडर्स के मुताबिक लखनऊ में रोजाना औसतन 370 सोलर पैनल लग रहे हैं. मार्च में यह संख्या 200 और अप्रैल में 290 थी. इसमें गैर सब्सिडी वाले सोलर पैनल शामिल नहीं है. यूपीनेडा के मुताबिक सर्वाधिक सोलर पैनल लखनऊ में लगे हैं. इसके बाद कानपुर दूसरे नंबर पर है. तीसरे नंबर पर वाराणसी और चौथे नंबर प्रयागराज है.

छत पर सोलर लगवाने के लिए कितनी जगह?

अगर आप भी छत पर सोलर पैनल लगवाना चाहते हैं तो आपके पास काम से काम 80 से 100 स्क्वायर फीट जगह की आवश्यकता होनी चाहिए. इतनी जगह में आप एक किलोवाट का पैनल लगवा सकते हैं. एक किलोवाट के सोलर पैनल से 4 से 5 यूनिट बिजली का उत्पादन प्रतिदिन होता है.

अगर आप एक किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाते हैं तो करीब 50,000 रुपए का खर्च आता है. पीएम सूर्य घर योजना के तहत आपको सब्सिडी भी मिलती है. अगर आप इस योजना के तहत तीन किलोवाट का पैनल लगवाते हैं तो आपको कुल 78 हजार रुपए की सब्सिडी केंद्र से मिलती है, जबकि राज्य सरकार 30 हजार रुपए की सब्सिडी देती है.

लखनऊ में बकरीद नमाज सकुशल समपन्न, ईदगाह ऐशबाग और टीलेवाली मस्जिद में काफी भीड़

(जीएनएस)।

लखनऊ। ईद- उल- अजहा (बकरीद) पर गुरुवार को राजधानी की मस्जिदों और ईदगाहों में समय से नमाज हुई। जिला और पुलिस प्रशासन ने इसका लेकर तैयारियां की थीं। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों में इस त्योहार को लेकर काफी उत्साह देखा गया।

ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार गुरुवार को धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। ऐशबाग ईदगाह समेत शहर की प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में 40 हजार से ज्यादा नमाजियों ने नमाज अदा कर अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही और संवेदनशील इलाकों में ढाई हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहें।

राजधानी की प्रमुख ईदगाह ऐशबाग में सुबह 10 बजे बकरीद की नमाज अदा की गई। इसके अलावा बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में सुबह 10:30 बजे नमाज का

समय निर्धारित किया गया था। टीलेवाली मस्जिद और जामा मस्जिद तहसीनगंज में सुबह नौ बजे नमाज हुई।

मौलाना और धर्मगुरुओं ने भी लोगों से काफी अपील की। सभी से कहा गया था कि निर्धारित समय से पहले नमाज स्थलों पर पहुंचें और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। इसके साथ ही साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की भी अपील की गई।

शहर की अन्य प्रमुख मस्जिदों में मस्जिद नदवुल उलेमा, मस्जिद रहमानी अमीनाबाद, मस्जिद दरगाह शाह मीना शाह, मस्जिद तकवियतुल ईदमान नादान महल, मस्जिद कादिर खां तालकटोरा और जामा मस्जिद राजाजीपुरम में सुबह 7:30 बजे नमाज अदा हुई।

मस्जिद चांद वाली तालकटोरा, मंडी वाली मस्जिद अमीनाबाद और मस्जिद नूर मोहम्मद हुसैनगंज में सुबह आठ बजे हुईं। दरगाह दादा मियां सदर में सुबह 8:30 बजे नमाज अदा हो गई। सबसे पहले दरगाह खम्मन पीर बाबा चारबाग और मस्जिद छत्तेवाली चौक में सुबह 6:30 बजे नमाज शुरू हुई।

ग्रामीण स्थानों पर कुल 94 ईदगाह और शहर में 12 सौ से अधिक जगहों पर पुलिस की सुरक्षा में नमाज पढ़ी गई।